

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 275

बुधवार, 14 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

सीएम की सौगात, ग्राम प्रहरियों का बढ़ाया मानदेय, अब मिलेंगे 3500 रुपये

68 हजार ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की मिलेगी सुविधा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के करीब 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय एक हजार रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ग्राम प्रहरियों व उनके परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये कैशलेस इलाज की सुविधा भी देने जा रही है। मानदेय में एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से अब उन्हें 2500 के बजाय 3500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इस तरह प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होगी। वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को महज 1500 रुपये मानदेय मिलता था, जिससे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 2500 रुपये किया गया था। अब जिम्मेदारी के साथ सरकार उनकी सुविधाएं भी बढ़ा रही है। ग्राम प्रहरी गांव की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी सजगता और समग्र पर पैी गई सूचना किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है।

बरेली पुलिस लाइन में आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले जो लोग सत्ता में थे, वहीं लूट-खसोट भी करते थे। जो रहनुमा थे, वहीं चोर भी थे, वहीं डकैती डालते थे या डलवाते थे। तो जनता किससे उम्मीद



करती? पुलिस भी मौन रह जाती थी। आज उत्तर प्रदेश में अपराधियों के मन में कानून का भय है। लोग बेखौफ होकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इसका जीवंत उदाहरण है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था के प्रति देश-दुनिया की धारणा बदल चुकी है। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले या लूट-चैन स्नेचिंग करने वाले अपराधियों का गंभीर परिणाम भुगतना तय है। जिन लोगों ने बुराई पाली थी, जनता ने उनको जवाब दे दिया और जो अच्छाई लेकर के चले थे, वे प्रदेश को भी अच्छा बनाने में सफल हुए हैं।

अब उपद्रव नहीं, उत्सव मनाता है उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की

तृतीया तिथि पर मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए कहा कि घंटे का नाद भयमुक्त वातावरण पैदा करता है। जगत जननी मां भगवती का यह स्वरूप असुरों, अराजक तत्वों, दंगाइयों और आतंकियों के मन में भय पैदा करने का प्रतीक है। यह गूंज घंटे की भी हो सकती है और हमारी कड़कदार आवाज की भी। वर्ष 2017 से पहले कोई पर्व या त्योहार आने से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाता था। लोग उत्सव मनाने के बजाय अशांति की आशंका से चिंतित रहते थे। अब लोग उपद्रव भूल चुके हैं और प्रदेशभर में शारदीय नवरात्रि का आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में दर्शन कर पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने सुरक्षा की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की है।

हजारों स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं और पूजा पंडालों में आस्था का उत्सव इसी सुरक्षित वातावरण का प्रमाण है।

यूपी के लोगों को अब पहचान छिपाने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित उत्तर प्रदेश ने देश और दुनिया में अपनी छवि बदल दी है। पहले मुझ्झीर लोगों के अपराधों का खामियाजा प्रदेश के 25 करोड़ लोगों की भुगतना पड़ता था। सबके सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर जाने पर लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर होते थे। स्थिति यह थी कि धर्मशालाओं और होटलों में कमरा मिलना मुश्किल होता था। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद सबसे बड़ी चिंता इस धारणा को बदलने

की थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने इस दिशा में सफलता हासिल की है। अब उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। जो लोग पहले यूपी से दूरी बनाते थे, आज वे उत्तर प्रदेश के करीब आना चाहते हैं। सुरक्षा का माहौल बनने से व्यापार बढ़ा है और निवेश को प्रोत्साहन मिला है। रोजगार के अवसर बढ़े और विकास की गति तेज हुई है।

पुलिस के साथ होमगार्ड, पीआरडी और ग्राम प्रहरियों को भी सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि पुलिस को अच्छी ट्रेनिंग और सुविधाएं मिलें तो होमगार्ड, पीआरडी जवानों,

और ग्राम प्रहरियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। इन सभी को सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना आवश्यक है। वर्ष 2017 से पहले ग्राम प्रहरियों की कोई सुध लेने वाला नहीं था। उस समय प्रदेश में करीब 68 हजार ग्राम पंचायतें थीं। अनेक ग्राम पंचायतों के नगर निकायों में शामिल होने और प्रशासनिक बदलावों के बाद आज भी प्रदेश में 57,600 से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। प्रदेश में करीब 1.05 लाख राजस्व गांव हैं। इतने बड़े ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति सजग और सचेत है, तो गांव में कोई भी अप्रिय घटना होने से पहले उसकी जानकारी मिल सकती है। ग्राम प्रहरी की भूमिका यहीं से शुरू होती है। ग्राम प्रहरी अपने गांव में सजग रहकर

खाली पदों पर नियुक्त किए जाएं ग्राम प्रहरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम प्रहरियों की भूमिका को सम्मान तथा सुविधाओं के माध्यम से मजबूती देना आवश्यक है। वर्ष 2019 में ग्राम प्रहरियों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए टॉच और डंडा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई थी। अब मानदेय में अतिरिक्त बढ़ोतरी के साथ उनकी भूमिका को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने गृह विभाग से कहा है कि जिन स्थानों पर ग्राम प्रहरी के पद खाली हैं, वहां स्थानीय व्यवस्था के अंतर्गत नियुक्ति की जाए और नियमित बैठकों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत संवाद है। केवल हस्तक्षेप करने के बजाय संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। ग्राम प्रहरियों, पुलिस और प्रशासन के बीच नियमित संवाद से गांव की समस्याओं को समय रहते समझने और सुलझाने में मदद मिलेगी।

ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को पांच लाख तक कैशलेस इलाज

मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रहरियों के कल्याण के लिए एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सरकार करीब 68 हजार ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस व्यवस्था के तहत ग्राम प्रहरी या उनके परिवार का कोई सदस्य बीमार होने पर पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य कवर के माध्यम से उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकेगा। ग्राम प्रहरी अपने कार्य के प्रति सजग और सचेत रहें। उन्हें नींव के पथर की तरह अपनी भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि मजबूत नींव पर ही विकास की इमारत खड़ी होती है। ग्राम प्रहरियों की सजगता गांव में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाएगी और इससे ग्रामीण जीवन में स्थिरता तथा विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

सूचनाएं एकत्र करें। किसी आपात स्थिति में फोन के माध्यम से थानाध्यक्ष या क्षेत्र के दरोगा को सूचना दें। थानाध्यक्ष अथवा क्षेत्र का दरोगा सलाह

में कम से कम एक दिन ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक कर सूचनाएं एकत्र करें और समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करें।

केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन का इस्तीफा, मंत्री पद के साथ राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने अपने मंत्री पद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा पत्रे होते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नाम एक लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा, केंद्रीय राज्य मंत्री के तौर पर जिम्मेदारियों से मुक्त करने और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की अनुमति दें। पत्र में डॉ. मुरुगन ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार में काम करने के अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण, संसदीय कार्य, मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालयों में मिली जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए कहा है कि इन अवसरों से उन्हें देश और उसके लोगों को समझने का मौका मिला। मुरुगन ने अपने पारिवारिक जीवन का जिक्र करते हुए बताया कि वह किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। उनके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते थे और



पशुपालन से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने लिखा कि उनके माता-पिता ने कभी कल्पना नहीं की थी कि उनका बेटा एक दिन केंद्र सरकार में सेवा करेगा।

एम. मुरुगन ने लेटर में क्या लिखा?

पीएम मोदी को संबोधित करते हुए मुरुगन ने अपने लेटर में लिखा, 'तमिलनाडु की आपकी हालिया यात्रा ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला है। हर जगह मैंने देखा कि लोगों ने कितने स्नेह के साथ आपका स्वागत किया और आपकी उपस्थिति ने उनमें कितनी

उम्मीद जगाई। उनका उत्साह उस सुनहरे भविष्य के प्रति उनके सच्चे विश्वास को दर्शाता है जिसे बनाने के लिए आप तमिलनाडु में काम कर रहे हैं। हमारे राज्य के प्रति आपका समर्पण और हमारे लोगों का आपके प्रति प्रेम देखकर मुझे गर्व और कृतज्ञता का अनुभव हुआ, और तमिलनाडु, हमारी पार्टी और हमारे देश के लिए और अधिक करने का मेरा संकल्प और मजबूत हुआ।' उन्होंने लेटर में लिखा, 'आपकी लीडरशिप में भारत और तमिलनाडु की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। INDIA गठबंधन की 'हाई टी' बैठक लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर हुई। इसके बाद गठबंधन के नेताओं ने साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आपने पिछले चार दिनों में INDIA गठबंधन की पहलों की जबरदस्त सफलता देखी है; राहुल जी और अन्य नेताओं ने जनता के मुद्दों को बहुत गंभीरता और लगन से उठाया। इतनी बड़ी संख्या में लोग शायद ही कभी इकट्ठा हुए हों। दिल्ली में यह पहली बार है जब युवा और नागरिक पूरी तरह से अपनी पहल पर एक साथ आए हैं। आपने यह देखा है, इसलिए मैं और विस्तार से नहीं बताना चाहता। अब हर कोई PM मोदी की वोट चुराने की योजना का पर्दाफाश करने के लिए तैयार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि



लोकतंत्र में अपनी बात कहने का एक जरिया जंतर-मंतर था और अब सरकार ने तय किया है कि जंतर-मंतर का इस्तेमाल लोकतांत्रिक भावनाएं जाहिर करने के लिए नहीं किया जा सकता। हम इस सोच को चुनौती देने जा रहे हैं। सरकार के लिए यह तय करना इतना आसान नहीं होगा कि भारत के लोग अपनी आवाज के लिए लड़ेंगे नहीं। जिन लोगों ने ऐसा किया है - मिस्टर मोदी, जो इसके मुख्य सूत्रधार हैं; मिस्टर अमित शाह, जो

इसे लागू करने वाले हैं; मिस्टर ज्ञानेश कुमार और अन्य - उन्हें यह समझना होगा कि उन पर शिकंजा कस रहा है। यह इतना आसान नहीं होगा कि आप भारतीय संविधान को नष्ट कर दें और बच निकलें।

उन्होंने कहा कि हम सब यहाँ एक साथ खड़े हैं। जैसा कि मैंने कल कहा था, कोई समानांतर विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। सिर्फ एक ही विरोध प्रदर्शन है और इस विरोध का एक ही मकसद है: भारत में लोकतंत्र की बहाली। इस

तिरंगा फहराना कब से कानून का उल्लंघन हो गया? रांका-सौरव दास की हिरासत पर बोले अभिजीत दिपके

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता अभिजीत दिपके ने 13 अक्टूबर को दिल्ली में अपने साथियों को हिरासत में लिए जाने के बाद सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो लोग जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने को गैर-कानूनी मानते हैं, वे देशद्रोही हैं। दिपके की यह टिप्पणी दिल्ली पुलिस द्वारा पार्टी के सदस्यों अशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे को हिरासत में लिए जाने के बाद आई, जो उस सुबह विरोध स्थल पर जमा हुए थे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई की कानूनी और नैतिक वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि तिरंगा फहराना कब से कानून का उल्लंघन हो गया? जो कोई भी जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने को उल्लंघन मानता है, वह देशद्रोही है। और अगर सौरव दास, आशुतोष रांका, अजिंक्य शिंदे और



तिरंगा फहराने के लिए गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों पर आरोप लगाए जाते हैं, तो इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तिरंगा फहराने के लिए आप किसी को कैसे गिरफ्तार कर सकते हैं? यह कैसा देश है? यह कैसा शासन है? हिरासत की स्थितियों को लेकर चिंताओं पर बात करते हुए, दिपके ने गिरफ्तार लोगों को कानूनी अधिकार न देने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पूरा देश जंतर-मंतर बन जाएगा। जंतर-मंतर सिर्फ एक जगह नहीं है; यह विरोध की भावना है।

जेएनयू यौन उत्पीड़न केस में घिरे कांग्रेस सांसद , भाजपा ने राष्ट्रपति मुर्मू से की निलंबन की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को इखद की महिला सांसदों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) में यौन उत्पीड़न के आरोपों के चलते कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम को लोकसभा से सस्पेंड करने के लिए उनसे दखल देने की मांग की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए BJP महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति मुर्मू से खटव में यौन उत्पीड़न की कथित पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व BJP सांसद दी. पुरदेश्वरी ने किया और इसमें चौधरी, दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज और अन्य शामिल



थीं। यह मुलाकात BJP महिला मोर्चा द्वारा दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय और हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन करने के एक दिन बाद हुई, जिसमें इनर मणिपुर से सांसद अकोइजम को पार्टी से निकालने की मांग की गई थी।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कई महिला

सांसदों और BJP कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। पार्टी के एक सूत्र ने पहले कहा था कि प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के सामने यह मुद्दा उठाएगा और उनसे दखल देने की मांग करेगा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि 'पितृसत्ता को खत्म करने' (Smash the Patriarchy) की

बात करने के बावजूद वे इस मामले पर चुप रहे। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ने पिछले हफ्ते अकोइजम को नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच में उन्हें दोषी पाया गया था। वे JNU के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के तहत सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स में प्रोफेसर थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई 2026 में कम से कम 11 छात्राओं ने प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि अकोइजम छात्राओं को मीटिंग या इकट्ठा होने के बहाने कैंपस में बने अपने घर बुलाते थे और उनका यौन शोषण करने की कोशिश करते थे। कुछ छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि वे क्लास में अश्लील और अनुचित बातें करते थे।

'इनकार करने से सच्चाई नहीं बदलेगी', लद्दाख पर चीन को भारत का कड़ा संदेश



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को फिर दोहराया कि लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। मंत्रालय ने कहा कि चीन के इनकार करने से यह स्थापित तथ्य नहीं बदल सकता। यह बयान चीन के विदेश मंत्रालय के उस बयान के बाद आया है जिसमें लद्दाख में कुछ जगहों के नामकरण का विरोध किया गया था। इन दावों को खारिज करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, 'लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में मौजूद 28 जगहों/विशेषताओं की पहचान 'सर्वे ऑफ इंडिया' के आधिकारिक नक्शे

पर मानक नामों के साथ की गई है, और यह काम लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश और स्थानीय हितधारकों के साथ बातचीत करके किया गया है। लद्दाख के 'सर्वे ऑफ इंडिया' के नक्शे पर इन जगहों की औपचारिक रूप से पहचान करने का मकसद उनकी सही पहचान और आम जनता के बीच बेहतर जानकारी को बढ़ावा देना है।' भारत ने 2 अक्टूबर को आधिकारिक भारतीय नक्शे पर लद्दाख में 28 रणनीतिक जगहों और भौगोलिक विशेषताओं की पहचान की थी, जिनमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास तनाव वाले मुख्य बिंदु जैसे 'गोगरा' और 'हॉट स्प्रिंग' शामिल हैं।

संपादक की कलम

जब मशीनें स्वयं निर्णय लेने लगें

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का विकास आधुनिक तकनीकी इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। अब तक अधिकांश डिजिटल प्रणालियाँ मनुष्य के निर्देशों के अनुसार सीमित कार्य करती थीं, लेकिन स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन ने इस स्थिति को बदल दिया है। ऐसे एआई एजेंट न केवल प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं, बल्कि स्वतंत्र रूप से योजनाएँ बना सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कई चरणों में कार्य भी कर सकते हैं। इससे प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई संभावनाएँ खुली हैं। (किंतु जैसे-जैसे इन प्रणालियों की स्वायत्तता बढ़ रही है, वैसे-वैसे उनकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही को लेकर चिंताएँ भी गहरी होती जा रही हैं। मूल प्रश्न यह है कि क्या तकनीकी प्रगति की गति के साथ हमारी सुरक्षा व्यवस्थाएँ भी पर्याप्त रूप से विकसित हो रही हैं? स्वायत्त एआई प्रणाली वह तकनीक है, जो किसी निर्धारित उद्देश्य को पूरा करने के लिए परिस्थितियों का आकलन करके स्वयं अगले कदम चुन सकती है। उदाहरण के लिए, एक एआई एजेंट ईमेल पढ़ सकता है, दस्तावेज तैयार कर सकता है, इंटरनेट पर जानकारी खोज सकता है और किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई भी कर सकता है। यही क्षमता उसे सामान्य घेंटबॉट से अधिक प्रभावशाली बनाती है। लेकिन जब किसी प्रणाली को बाहरी वेबसाइटों, सरकारी पोर्टलों, वित्तीय खातों या संवेदनशील डेटाबेस तक पहुँच मिल जाती है, तब उसकी त्रुटि केवल गलत उत्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वास्तविक दुनिया में नुकसान का कारण बन सकती है। हाल के वर्षों में एआई एजेंटों द्वारा गलत या अपेक्ष सूचनाओं को सार्वजनिक संस्थाओं तक पहुँचाने की घटनाओं ने इस खतरे को और ध्यान आकर्षित किया है। ऐसी घटनाओं का व्यापक संदेश स्पष्ट है—किसी एआई प्रणाली का आत्मविश्वास उसकी जानकारी की सत्यता का प्रमाण नहीं होता। यदि गलत सूचना को बिना मानवीय जाँच के अधिकारिक माध्यमों तक पहुँचा दिया जाए, तो निर्दोष व्यक्तियों की प्रतिष्ठा, प्रशासनिक संसाधनों और सार्वजनिक विश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। स्वायत्त एआई का पहला प्रमुख जोखिम अनपेक्षित कार्रवाई है। किसी प्रणाली को सीमित उद्देश्य दिया जाता है, लेकिन वह उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ऐसा तरीका अपना सकती है, जिसकी कल्पना उसके निर्मातोंओं ने नहीं की होती। उदाहरण के लिए, किसी एजेंट को अधिकतम शिकायतों का निपटारा करने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह गुणवत्ता की तुलना में संख्या को प्राथमिकता दे सकता है। इसी प्रकार, यदि उसे किसी कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए अत्यधिक स्वतंत्रता दी जाए, तो वह आवश्यक सत्यापन की उपेक्षा कर सकता है। इससे जुड़ी दूसरी समस्या लक्ष्य-असंगति है। इसका अर्थ है कि एआई का व्यवहार मनुष्य की वास्तविक मंशा और व्यापक सामाजिक हितों के अनुरूप न रहे। कोई प्रणाली तकनीकी रूप से निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर सकती है, लेकिन ऐसा करते हुए नैतिक नियमों, कानूनी सीमाओं या मानवीय आवश्यकताओं की अनदेखी कर सकती है। इसलिए एआई के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना ही पर्याप्त नहीं है; यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उन्हे प्राप्त करने के साधन सुरक्षित और स्वीकार्य हों। एआई प्रणालियों का एक अन्य गंभीर जोखिम तथाकथित 'हेलुसिनेशन' है, जिसमें वे गलत, काल्पनिक या अपेक्ष जानकारी को विश्वसनीय भाषा में प्रस्तुत करती हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब ऐसी जानकारी का उपयोग कानूनी मामलों, चिकित्सा संबंधी निर्णयों, सरकारी कार्यवाही या पत्रकारिता में किया जाता है।

ललित शर्मा
संपादक

माता पिता का करें सम्मान

उदय कशोर साह

कविता

माता पिता का करो सम्मान
हमारे लिये हैं ये साक्षात भगवान
जन्मदाता का ना करना अपमान
पालनकर्ता का दर्द समझो नादान

तेरे पालन में जिसने पसीना बहाया
अपने खून से सींच कर तुम्हें पढ़ाया
खुद की खुशी को मिट्टी में दफनाया
तुम्हें इस मुकाम पे जिसने पहुँचाया

औलाद होता है बुढ़ापे की सहारा
अपने जान से ज्यादा होता है दुलारा
पर तुमने क्या क्यों जीवन से किनारा
तेरे लिये अपने अरमानों को मारा

कैसे तुम बन गया उनके लिये कसाई
वयूँ तुम्हें कोई शर्म भी ना कभी आई
वृद्धाआश्रम वृद्ध को जो पहुँचाई
अपना खून होकर बन गया। पराई

जीवन दाता को समझो रे नादान
पूज्यनीय जन्मदाता पे मत बन बेईमान
मत बनो उनके लिये तुम जग में हैवान
शर्म करो रे जग के ऐसे नालायक शैतान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

संपादकीय

विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कटघरे में

अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है। विडंबना देखिए कि यही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को एकट्ठे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सेंसिटोर्निंग रसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अब वही अमेरिका अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों और बढ़ती कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए नैतिक अपराध और रूस को युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने

ललित गर्ग
लेखक

वैश्विक स्तरपर कानून की किताब में नियम, बाजार में कीमतों का खेल और मरीज की जेब पर सबसे बड़ा बोझ। किसी भी सभ्य समाज में कानून का उद्देश्य केवल व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना, शोषण रोकना और न्याय सुनिश्चित करना भी होता है। भारत सहित दुनियाँ के विभिन्न देशों में आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, स्वास्थ्य सेवाओं, औषधि निर्माण और वितरण को निर्यात करने के लिए समय-समय पर कानून, नियम, विनियम और अधिनियम बनाए जाते हैं। बदलती परिस्थितियों के अनुसार इनमें संशोधन भी किए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद कानूनी व्यवस्थाओं में ऐसी कमियाँ हो सकती हैं, जिनका लाभ उठाकर कुछ कारीबारी या संस्थाएं नियमों की सीमाओं के भीतर रहते हुए भी अनुचित आर्थिक लाभ अर्जित कर सकती हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि कई बार समस्या कानून के

अभाव की नहीं, बल्कि कानून के दायरे, उसकी व्याख्या निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की होती है। जब किसी व्यवस्था में एक श्रेणी पर नियंत्रण हो, लेकिन दूसरी समान रूप से महत्वपूर्ण श्रेणी को खुली छूट मिल जाए, तब नियमों का उद्देश्य और वास्तविक परिणाम एक-दूसरे से अलग दिखाई देने लगते हैं। यही चुनौती दवा बाजार में विशेष रूप से गंभीर हो जाती है, क्योंकि यहां किसी वस्तु की कीमत का सवाल केवल व्यापारिक लाभ-हानि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मरीज के जीवन, इलाज की निरंतरता और परिवार की आर्थिक सुरक्षा से सीधे जुड़ जाता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में महंगी दवाओं का खर्च अनेक परिवारों को बचत समाप्त करने, कर्ज लेने अथवा संपत्ति बेचने तक की स्थिति में पहुँचा सकता है। ऐसे में दवा की कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था में मौजूद संभावित कमियों की जांच और सुधार केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि जनहित, स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण प्रश्न बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट के सवालों ने क्यों खींचा ध्यान? इसको समझने की करें तो 22 सितंबर और उसके बाद की सुनवाईयों से संबंधित समाचार रिपोर्टों में कैसर की एक दवा का उदाहरण सामने आया, 2,700 रुपए की दवा का 27,000 रुपए का वसूला जा रहा था। इसी व्यापक संदर्भ में 12 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से संबंधित प्रस्तुत विवरण के अनुसार,

डॉ विजय गर्ग
लेखक

मानवीय भावनाएँ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खुशी, दुख, भय, स्नेह, क्रोध और करुणा हमारे संबंधों, निर्णयों और व्यवहार को प्रभावित करते हैं। लेकिन सभी लोगों की भावनाओं को पहचानने, अनकहे एहसासों को समझने और दूसरों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहने की क्षमता एक जैसी नहीं होती। आम धारणा है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में दिल की भाषा को बेहतर समझती हैं। लेकिन क्या यह अंतर जैविक कारणों से उत्पन्न होता है, सामाजिक अनुभवों से विकसित होता है या इन दोनों का मिला-जुला परिणाम है? मनोविज्ञान इस प्रश्न पर रोचक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। शोध बताते हैं कि औसतन महिलाएं भावनाओं को पहचानने के कुछ



वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं? अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखता रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उपभोक्ताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुँच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई



किशन चंद जैन बनाम एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड एवं अन्य, रिट याचिका (सिविल) संख्या डब्ल्यू.पी. (सी) 794/2023, का मामला दवा मूल्य निर्धारण की व्यवस्था पर महत्वपूर्ण बहस का केंद्र बना। उपलब्ध कराए गए विवरण में दो न्यायमूर्तियों की पीठ का उल्लेख है। याचिका में दवा मूल्य नियंत्रण, निजी अस्पतालों को फार्मसी में दवाओं की बिक्री तथा चिकित्सा उपकरणों की कीमतों से जुड़े प्रश्न उठाए गए हैं। हालांकि, इस मामले की तारीख, पीठ, आदेशों और सरकारी हलफनामे के सभी विवरणों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है; इसलिए इस आर्टिकल के माध्यम से इस घटनाक्रम को मीडिया में उपलब्ध विवरण के आधार पर समझने की कोशिश करते हैं। साधियों बात अगर हम डीपीसीओ 2013: कानून बना, लेकिन क्या दवा बाजार की हर कीमत पर नियंत्रण है? इसको समझने की करें

तो भारत में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने का प्रमुख कानूनी ढांचा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत जारी औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 यानी डीपीसीओ 2013 है। इसे लागू करने और दवाओं की कीमतों की निगरानी करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए की है। इसका उद्देश्य आवश्यक दवाओं को उचित कीमत पर उपलब्ध कराना, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली पर कार्रवाई करना और दवाओं की उपलब्धता बनाए रखना है। लेकिन इस व्यवस्था में अनुसूचित और गैर-अनुसूचित दवाओं के बीच अंतर महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची में शामिल अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था है, जबकि गैर-अनुसूचित दवाओं की शुरूआती कीमत तय करने में कंपनियों को अधिक स्वतंत्रता

दिल की भाषा समझने में महिलाएं अधिक कुशल?



तनाव महसूस कर सकती हैं या समझ सकती हैं कि किसी मित्र को भावनात्मक सहारे की जरूरत है। ऐसी क्षमताएं संबंधों को मजबूत बनाते और गलतफहमियों को दूर करने में सहायक हो सकती हैं। लेकिन भावनात्मक संकेतों की व्याख्या हमेशा आसान नहीं होती। चुप्पी का अर्थ उदासी, थकान, नाराजगी या केवल कुछ समय अकेले रहने की इच्छा भी हो सकता है। बिना पूछे यह मान लेना कि हम किसी दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को पूरी तरह समझते हैं, गलतफहमी पैदा कर सकता है। इसलिए संवेदनशीलता के साथ

करते, बल्कि मित्र देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सीढ़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल ढुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले। किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन आर्थिक

जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त!

मिलती रही है। डीपीसीओ के पैरा 20 के अंतर्गत गैर-अनुसूचित दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में किसी भी 12 महीने की अवधि में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नहीं की जा सकती। ध्यान देने योग्य बात यह है कि सालाना वृद्धि की सीमा और शुरूआती कीमत पर नियंत्रण दो अलग-अलग विषय हैं। यदि किसी दवा की शुरूआती कीमत ही बहुत अधिक रखी जाती है, तो उस पर सालाना वृद्धि की सीमा अपने आप मरीज को सस्ती दवा उपलब्ध नहीं करा देती। यही वह कानूनी और नीतिगत अंतर है, जिसे सटीकता से वर्तमान विवाद के केंद्र में रखा गया है। साधियों बात अगर हम सोमवार दिनांक 12 अक्टूबर 2026: कैसर की दवाओं पर 30 प्रतिशत ट्रेड मार्जिन की सरकारी योजना को समझने की करें तो 12 अक्टूबर की सुनवाई से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि गैर-अनुसूचित कैसर रोधी दवाओं के ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने की योजना बनाई गई है। एनपीपीए की 8 अक्टूबर 2026 की बैठक में इस विषय पर निर्णय की जानकारी सामने आई। सरकार ने ऐसी विशेषज्ञ समिति गठित की है, जिसे निर्धारित समय के भीतर उन कैसर दवाओं की सूची तैयार करनी है, जिन पर यह व्यवस्था लागू होगी। प्रस्तावित सूची को बाजार की परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतों के अनुसार समय-समय पर अद्यतन करने

दिल की भाषा समझने में महिलाएं अधिक कुशल?

भावनाओं का अनुमान लगाने में महिलाओं को औसतन थोड़ी बढ़त मिल सकती है। कुछ सामाजिक परिस्थितियों में महिलाएं भावनात्मक वारीकियों पर अधिक ध्यान भी दे सकती हैं। फिर भी, निष्कर्ष परीक्षण के प्रकार, आयु, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और मापन की विधि के अनुसार बदलते हैं। हर अध्ययन में एक जैसे परिणाम नहीं मिलते। प्रयोगशाला में चेहरे के भाव पहचान लेना और वास्तविक जीवन में किसी व्यक्ति के जटिल भावनात्मक अनुभव को समझना भी एक जैसी बात नहीं है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहानुभूति के बीच अंतर समझना भी जरूरी है। सहानुभूति का अर्थ दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझना या उससे भावनात्मक रूप से जुड़ना है, जबकि भावनात्मक बुद्धिमत्ता में अपनी भावनाओं को संभालना और भावनात्मक जानकारी का प्रभावी उपयोग करना भी शामिल है। इनमें से कोई भी गुण केवल एक लिंग तक सीमित नहीं है। इसलिए विज्ञान इस व्यापक दृष्टि का समर्थन नहीं करता कि सभी महिलाएं सभी पुरुषों से बेहतर भावनाएं समझती हैं। शोध कुछ औसत अंतरों की संभावना दिखाते हैं, लेकिन व्यक्तियों के बीच अंतर बहुत महत्वपूर्ण बने रहते हैं।

खुला संवाद भी आवश्यक है।

विज्ञान क्या कहता है?

भावनात्मक बुद्धिमत्ता में अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने तथा नियंत्रित करने की क्षमता शामिल होती है। शोधकर्ता इन क्षमताओं का अध्ययन चेहरे के भावों को पहचानने वाले परीक्षणों, प्रश्नावलियों और भावनात्मक समझ के विभिन्न आकलनों के माध्यम से करते हैं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ प्रकार की भावनात्मक अभिव्यक्तियों को पहचानने और गैर-मौखिक संकेतों से

प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उस नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है। ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की की नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेन्स्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेन्स्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामले को और गंभीर बनाता है। किसी संप्रभु देश का राष्ट्रपति कौन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए। शांति की पहल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन शांति के नाम पर युद्ध से पीड़ित देश पर ही अतंशत दबाव डालना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त!

की भी बात कही गई है। इस योजना का उद्देश्य उन दवाओं की कीमतों के अत्यधिक वृद्धि को रोकना है, जिन पर पहले अनुसूचित दवाओं जैसा प्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू नहीं था। हालांकि, 30 प्रतिशत की सीमा को समझने समय यह स्पष्ट रहना चाहिए कि ट्रेड मार्जिन और एमआरपी एक ही चीज नहीं हैं। ट्रेड मार्जिन विवरण श्रृंखला में खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य के बीच अंतर से संबंधित होता है। इसे किस आधार पर और किन-किन स्तरों पर लागू किया जाएगा, इसका अंतिम प्रभाव अधिसूचित नियमों तथा दवाओं की सूची पर निर्भर करेगा। इसलिए यह कहना कि हर कैसर दवा की कीमत निश्चित रूप से 70 प्रतिशत घट जाएगी, अभी उचित नहीं होगा। समाचार रिपोर्टों में कुछ दवाओं की कीमतों में 20 से 70 प्रतिशत तक संभावित कमी और मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ की बचत का अनुमान बताया गया है। ये अनुमान हैं; वास्तविक बचत लागू व्यवस्था और दवा-विशेष के मूल्य पर निर्भर करेगी। साधियों बात अगर हम क्या केवल कैसर की दवाएं ही महंगी हैं? सुप्रीम कोर्ट का व्यापक सवाल इसको समझने की करें तो, इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दवा मूल्य निर्धारण की समस्या केवल कैसर के उपचार तक सीमित नहीं है। हृदय रोग, मधुमेह, संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी लाखों परिवारों के नियमित खर्च का हिस्सा हैं।

दिल की भाषा समझने में महिलाएं अधिक कुशल?

मस्तिष्क और जैविक कारकों की भूमिका

भावनाओं को समझने की क्षमता में जैविक कारकों का भी योगदान हो सकता है। हार्मोन, मस्तिष्क का विकास और व्यक्ति का स्वभाव इस बात को प्रभावित कर सकते हैं। कि वह भावनाओं को किस प्रकार अनुभव करता है और उन पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। हालांकि, भावनात्मक समझ अस्थायी क्षमता है, जिसमें मस्तिष्क की कई प्रणालियाँ, सीखने की प्रक्रियाएं और सामाजिक अनुभव शामिल होते हैं। महिलाओं की भावनात्मक संवेदनशीलता का पूरा कारण किसी एक हार्मोन को मान लेना या यह समझना कि महिला मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से हर भावनात्मक स्थिति को बेहतर समझता है, वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं है।

मानव मस्तिष्क अनुभवों के अनुसार स्वयं को ढाल सकता है। रिश्ते, शिक्षा, जीवन के अनुभव और निरंतर अभ्यास भावनात्मक कौशल को जीवनभर बेहतर बना सकते हैं। महिलाएं और पुरुष दोनों ही दूसरों की भावनाओं को पहचानना, ध्यानपूर्वक सुनना और संवेदनशील प्रतिक्रिया देना सीख सकते हैं।

उत्तराखंड: रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज को जल्द ही मिल सकती हैं एमबीबीएस की 100 सीटें

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का संकल्प प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है, ताकि स्थानीय स्तर पर ही योग्य चिकित्सक तैयार हो सकें और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को चिकित्सा शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ आम जनता तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना भी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा



के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं। इनमें अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार के मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। सरकार का मानना है कि इन संस्थानों के शुरू होने से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की

सुविधाओं का विस्तार हुआ है और स्थानीय युवाओं के लिए डॉक्टर बनने के अवसर बढ़े हैं। प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। यह कॉलेज बनकर तैयार हो चुका है और यहां जल्द ही एमबीबीएस की

100 सीटों का आवंटन होने की उम्मीद है। इससे प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी और भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अधिक चिकित्सक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वर्तमान में उत्तराखंड के छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की कुल 675 सीटें हैं। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज को 100 सीटें मिलने के बाद यह संख्या बढ़कर 775 हो जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रदेश के चार निजी मेडिकल कॉलेजों की 900 सीटें और एम्स ऋषिकेश की 125 सीटें भी उपलब्ध हैं। इन सभी को मिलाकर प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या लगभग 1700 तक पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री धामी का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर चिकित्सा शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया जाए। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रयास तेज कर दिए हैं। वर्तमान में हल्द्वानी, श्रीनगर, देहरादून, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। नए संस्थानों की स्थापना से पर्वतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्हें अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिल सकेंगे। सरकार का जोर केवल मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना भी है।

छात्राओं को मिला सुरक्षा का कवच, आत्मरक्षा का हथियार और अधिकारों की मिली ताकत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना गोवर्धन की मिशन शक्ति टीम ने मंगलवार को कस्बा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम प्रभारी एसआई विनय बौद्ध ने विद्यालय की छात्राओं तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों तथा स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। छात्राओं को आत्मरक्षा के उपाय, गुड टच-बैड टच की पहचान, महिला अधिकारों तथा महिलाओं व बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों से बचाव संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी प्रकार को छेड़छाड़, उत्पीड़न



या अप्रिय घटना की स्थिति में भयभीत हुए बिना तत्काल पुलिस को सूचित करने तथा आवश्यक कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। महिला सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित हेलपलाइन नंबरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से छात्राओं की सहभागिता से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को हेलपलाइन नंबरों की उपयोगिता, उनके कार्य और आवश्यकता पड़ने पर सही

तरीके से उपयोग करने की प्रक्रिया बताई गई। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का सुरक्षित व सतर्कतापूर्वक उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय तथा यातायात नियमों के पालन संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में इंस्पेक्टर शिवकुमार दोहरे, उपनिरीक्षक विनय बौद्ध, महिला कांस्टेबल संजना, नेहा, प्रभाकर उपस्थित रहे।

ब्रज साहित्य परिषद न्यास द्वारा अष्टछाप के कवि कृष्ण दास की जयंती मनाई गयी



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ब्रज साहित्य परिषद न्यास द्वारा अष्टछाप के प्रमुख कीर्तिन्या एवं श्री नाथ जी मन्दिर के प्रथम अधिकारी श्री कृष्ण दास जी की जयंती उनकी साधना स्थली बिहुआ कुण्ड पर मनाई गयी। जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि राधा गोविंद पाठक ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ

गोपाल प्रसाद उपाध्याय ने मंगलाचरण कर कृष्ण दास जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कवि अनिल शर्मा ने ब्रजभाषा के मनोरम छन्द सुना कर आनन्द में वृद्धि की। सुरेश चन्द शास्त्री ने गिरिराज जी पर छन्द सुनाये। ब्रज साहित्य परिषद न्यास के महामंत्री कवि हरि बाबू ओम ने संचालन करते हुए ब्रजधाम को समर्पित गीत सुनाया। अध्यक्षता करते

हुए राधा गोविंद पाठक ने कृष्ण दास जी पर काव्य रचना सुना कर उपस्थित सभी को बाहबाही करने पर मजबूर कर दिया। अमर अद्वितीय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ब्रज साहित्य परिषद न्यास के प्रचार प्रसार मंत्री कवि धीरज कौशिक, कवि अभिषेक कौशिक एडवोकेट, मदन मोहन, गोपाल कृष्ण आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कंपोजिट विद्यालय सेमरियावां में इको क्लब की पहल, बच्चों को सिखाया कचरा प्रबंधन का महत्व

सूखा, गीला, जैव-चिकित्सीय और खतरनाक घरेलू कचरे के उचित निस्तारण की दी जानकारी, पोस्टर बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपोजिट विद्यालय सेमरियावां में मंगलवार को इको क्लब के तत्वावधान में कचरा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कचरे के विभिन्न प्रकारों, उनके उचित निस्तारण और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के तरीकों की जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने रंग-बिरंगे पोस्टर बनाकर कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में इको क्लब प्रभारी नुजहत बतूल ने विद्यार्थियों को बताया कि घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में निकलने वाले कचरे का उचित प्रबंधन करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कचरे को बिना छंटई के इधर-उधर फेंकने से गंदगी फैलती है और पर्यावरण के साथ लोगों के स्वास्थ्य



पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए कचरे को उसकी प्रकृति के अनुसार अलग-अलग रखना और निर्धारित स्थान पर डालना आवश्यक है। इको क्लब प्रभारी ने बच्चों को सूखे, गीले, जैव-चिकित्सीय और खतरनाक घरेलू कचरे के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि कागज, गत्ता, प्लास्टिक, धातु और कांच जैसी वस्तुएं सूखे कचरे में आती हैं। इनमें से कई वस्तुओं का पुनर्चक्रण कर दोबारा उपयोग किया जा सकता है। वहीं, फलों-सब्जियों के छिलके और बचा

हुआ भोजन गीले कचरे के उदाहरण हैं, जिनसे उचित प्रक्रिया के माध्यम से जैविक खाद तैयार की जा सकती है। बच्चों को जैव-चिकित्सीय कचरे के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इस्तेमाल की गई सूई, पट्टियां और दूषित चिकित्सा सामग्री को सामान्य घरेलू कचरे में नहीं मिलाना चाहिए। इसका निस्तारण निर्धारित सुरक्षा नियमों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसके अलावा बैटरी, पेंट, कुछ रसायनों और कीटनाशकों के अवशेष जैसे खतरनाक घरेलू कचरे को भी सामान्य कचरे से

अलग रखकर सुरक्षित तरीके से निस्तारण करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखने, कूड़ेदान का उपयोग करने और विद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से समझाया कि कचरे का सही प्रबंधन पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ-साथ बीमारियों से बचाव में भी सहायक है। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे विद्यालय में सीखी गई स्वच्छता

की आदतों को अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। बचपन से ही कचरे को अलग-अलग रखने और साफ-सफाई बनाए रखने की आदत विकसित होने से बच्चे अपने परिवार और समाज को भी जागरूक कर सकते हैं। कार्यक्रम में नोडल संकुल शिक्षक जफीर अली, शमा अजीज खान, मुबारक हुसैन, खुशीद जहां, सखी खातून, किरण चौधरी, कमो बेगम, तैयबा खातून और शालिनी चौधरी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रही। इको क्लब की इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, कचरे के उचित निस्तारण और स्वच्छ विद्यालय परिसर के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा।

मौसम बदलते ही बढ़ने लगे जुकाम-बुखार के मरीज, सावधानी बरतने की दी सलाह



वेलकम इंडिया संवाददाता

कांथला। नगर एवं क्षेत्र में मौसम में बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। सरकारी अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर जुकाम, बुखार, उल्टी और दस्त से पीड़ित मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सक मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं दे रहे हैं। सरकारी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रवि कुमार ने बताया कि अक्टूबर माह में मौसम में हल्की ठंडक शुरू हो जाती

है। ऐसे में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम में बदलाव के दौरान लापरवाही बरतने से लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। इन्होंने लोगों को सलाह दी कि ठंड से बचाव करें और जरूरत के अनुसार पंखे का इस्तेमाल करें। खानपान में सावधानी बरतते हुए साफ-सुथरा और ताजा भोजन करें। शरीर में पानी की कमी न होने दें। उल्टी, दस्त या बुखार की शिकायत होने पर लापरवाही न बरतें और चिकित्सक से परामर्श लेकर उपचार कराएं।

समाज में जेहालत के खात्मे, शिक्षा को बढ़ावा और भाईचारा बनाये रखने पर जोर, निजामी कांफ्रेंस में उलेमा ने किया सम्बोधित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा के अगया स्थित खानकाहे निजामिया में उसें निजामी का आयोजन किया गया। जिसमें देश के कोने कोने से उलेमा व मशायख ने शिरकत की। इस कार्यक्रम की ससुरस्ती शहजादा खतीबुल बराहीन हजरत अल्लामा मोहम्मद हबीबुर्रहमान रिजवी सज्जादानशीन खानकाहे निजामिया ने की। जबकि अध्यक्षता हजरत अल्लामा जियाउल मुस्तफा निजामी ने की। बाद नमाजे इश्ना निजामी कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें मुलक के उलेमा, अदवा, मशायख ने शिरकत की। शहजादा खतीबुल बराहीन हजरत अल्लामा मोहम्मद हबीबुर्रहमान रिजवी सज्जादानशीन खानकाहे निजामिया ने कहा कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा दें, गांव के



मकातिब व मसाजिद को मजबूत करें, अपने इमाम और मोदरिस की इज्जत करें। उनका खयाल रखें। आपस में इतेहाद व इतफाक का माहौल पैदा करें। भाईचारे को बढ़ावा दें। अपने मसाइल के हल के लिये उलेमा बरहक से रजु करें। सच्चियों की दीनी तालीम व तरबियत का एहतेमाम करें। नमाज की पाबंदी करें। गुनाहों से सच्ची तोबा करें। इस अवसर पर जामिया

अशरफिया मुबारकपुर, दारूल उलूम अलीमिया जमदाशाही बस्ती, जामिया अमजदिया घोसी, दारूल उलूम नूरुल हक मोहम्मदपुर, दारूल तनवीरुल इस्लाम अमरडोभा आदि दर्जनों शिक्षण संस्थानों के शिक्षक व विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ तिलावते कुरान पाक से हुआ। इस मौके पर अल्लामा सैयद अशफाक अहमद, मौलाना सदरुल वरी

मिस्बाही, मौलाना अहमद रजा निजामी, मौलाना बदरुद्दीन निजामी, मौलाना मोहम्मद ताहिरुल कादरी निजामी मिस्बाही, मुस्तारूल हसन बगदादी, मौलाना हबीबुर्रहमान मिस्बाही बांदा आदि ने खिताब किये। कार्यक्रम में खतीबुल बराहीन के पौत्र हजरत अल्लामा जियाउल मुस्तफा द्वारा लिखित पुस्तक खुलासा मजामीन कुरान का लोकार्पण भी किया।

चंपा देवी इंटर कालेज में प्रवक्ता बनने पर प्रवीण कुमार का हुआ भव्य स्वागत



मथुरा (वेलकम इंडिया)। चम्पा देवी इंटर कॉलेज, मथुरा में प्रवक्ता नियुक्त होने पर प्रवीण कुमार का उनके पैतृक गांव भगवन्तपुर हाथरस में श्रद्धांगों ने पुष्पवर्षा, पगड़ी पहनाकर एवं मिष्ठान वितरण कर भव्य स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। प्रवीण कुमार, पुत्र सुबेदार टीकम सिंह राना (रिटायर्ड), निवासी वालाजीपुरम मथुरा ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की है। आयोग से हुई प्रवीण कुमार की उपलब्धि से उनके जानने वालों, रिश्तेदारों, कॉलोनी एवं गांव में भारी खुशी हुई है। इस अवसर पर युवाओं ने

प्रवीण कुमार को प्रेरणास्रोत मानते हुए उनके पदचिह्न पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चन्द्रमोहन राना ने किया। आयोजन एवं भोजन व्यवस्था में वीरेंद्र सिंह फौजी, प्रदीप कुमार और उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। समारोह में केशवदेव शर्मा, दाऊदयाल, बनी सिंह, भजनलाल, किशन सिंह, बीचके गुरु, रामेश्वर सिंह, बच्चू सिंह, रामशरण सिंह, शिव सिंह पप्पू, शंकर लाल, लखन सिंह, श्यामसुन्दर, विजय सहित अनेक श्रद्धांगों ने उपस्थित होकर प्रवीण कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गंगेरू बस अड्डे पर कूड़े का ढेर, दुकानदारों ने किया प्रदर्शन एक माह से सफाई नहीं होने का आरोप, दुकानदारों ने पालिका प्रशासन से की समस्या के निस्तारण की मांग

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमान

कांथला। कस्बे के गंगेरू बस अड्डे पर कूड़े के ढेर लगे होने से आसपास के दुकानदारों में नाराजगी है। मंगलवार को दुकानदारों ने प्रदर्शन कर नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ रोष जताया और नियमित सफाई कराने की मांग की है। दुकानदार रिशेथ सैनी, वसीम, शम्सु, अरशद, रतन और जिल्फिकार सहित अन्य लोगों ने बताया कि करीब एक माह से सफाई कर्मचारी क्षेत्र में नहीं पहुंच रहे हैं। इसके चलते सड़क पर कूड़ा जमा हो गया है। हवा चलने पर कूड़ा दुकानों के अंदर तक पहुंच जाता है। वहीं, रास्ते से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। इससे परेशान होकर उन्हें प्रदर्शन करना



पड़ा। दुकानदार रिशेथ सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही से अभियान के उद्देश्यों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द कूड़े का

निस्तारण कराने की मांग की है। नगरपालिका परिषद के स्वास्थ्य लिपिक अमरेश कुमार ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं मिली है। सफाई कर्मचारी भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

दो सड़क हादसों में पांच लोग घायल, गंभीर हालत में रेफर



कांथला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में पांच लोग घायल हो गए। हादसों के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर नानुपुरी गेट के समीप कस्बे से शमली की ओर जा रही तेज रफ़्तार रिफ़ोर् कार अनियंत्रित होकर पलट में भर्ती कराया। ख़बर लिखे जाने तक थाने पुत्र कुर्बान, मोहल्ला शेखजदगान निवासी

इस्लाम पुत्र सवेज और मोहसिन पुत्र आनम घायल हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस और 108 एंबुलेंस ने तीनों की सीपसी पहुचाया। चिकित्सकों ने कुर्बान और सवेज की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि आनम को प्राथमिक उपचार के बाद कुछ्डी दे दी गई। दूसरी और गंगेरू मार्ग पर बाइक और ई-रिक्शा की भिड़त हो गई। हादसे में बागपत जनपद के गांव कुछ्डी निवासी रिजवान और उसका भांजा अरमान घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। ख़बर लिखे जाने तक थाने पर कोई तहरीर नही दी गई थी।

समाजवादी नेता गोल्डी भैया के पिता की पगड़ी रस्म में उमड़ा जनसैलाब



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र-83 से समाजवादी पार्टी के विधायक प्रत्याशी महेश चंद्र शर्मा उर्फ गोल्डी भैया के पिता राधेश्याम शर्मा की पगड़ी रस्म एवं ब्रह्मभोज कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। राजनीतिक, सामाजिक और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों सहित गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र

की विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रधानों, गणमान्य नागरिकों और समर्थकों ने दिवंगत राधेश्याम शर्मा को शोकाकुल परिवार को सात्वना दी। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष तुलसीराम शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष लोकमणिकांत जादौन, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी चेरमैन सुरेश चौधरी, राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता सुरेश भगत एवं कुंवर

नरेंद्र सिंह, डॉ. अशोक अग्रवाल और मुकेश सिकरवार सहित अनेक राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियां मौजूद रहीं। विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की बड़ी भागीदारी कार्यक्रम में चर्चा का विषय बनी रही। लोगों ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और इस कठिन समय में परिवार को ढांढस बंधाया।

बड़ी बाजार के शीतला माता एवं सती माता मंदिर प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग

एसडीएम सदर के आदेश संख्या 163 और 164 की समीक्षा कराने की उठी आवाज, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक परंपरा के संरक्षण की अपील

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। बड़ी बाजार स्थित प्राचीन श्री शीतला माता एवं सती माता मंदिर से जुड़े भूमि विवाद को लेकर मंदिर परिसर में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान भक्तजनों, पदाधिकारियों और क्षेत्रीय नागरिकों ने उप जिलाधिकारी सदर वाराणसी द्वारा 16 सितंबर 2026 को पारित आदेश संख्या 163 एवं 164 पर आपत्ति जताते हुए प्रकरण की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की। वक्ताओं ने संबंधित राजस्व अभिलेखों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रस्तुत रिपोर्ट की विधिसम्मत समीक्षा कर सभी पक्षों को सुनवाई का उचित अवसर देने की अपील की। पत्रकार वार्ता में वक्ताओं ने बताया कि श्री शीतला माता एवं सती माता मंदिर

बड़ी बाजार के मोहल्ला जलालुद्दीनपुरा, थाना जैतपुरा, वाराणसी में आराजी संख्या 478, रकबा एक बिस्वा पांच धूर पर स्थित है। मंदिर पक्ष का कहना है कि मंदिर की प्राचीनता और भूमि से संबंधित विवरण पुराने राजस्व अभिलेखों, नगर पालिका के दस्तावेजों तथा ऐतिहासिक अभिलेखों में दर्ज होने की बात कही जाती है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, वर्ष 1916 में यह स्थान वाराणसी म्युनिसिपल क्षेत्र में सम्मिलित हुआ था। वहीं, वर्ष 1922 से 1927 के दौरान नगर पालिका अभिलेखों में मकान संख्या एन-12/20 का उल्लेख होने की बात भी सामने रखी गई। वक्ताओं ने पुराने अभिलेखों और खतौनी में दर्ज नामों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। पत्रकार वार्ता में वाद संख्या 2695/2023, अनिल



कुमार यादव बनाम अन्य का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया कि स्थानीय लेखपाल की आख्या तैयार करते समय पर्याप्त जांच और संबंधित पक्षों की सुनवाई नहीं की गई। वक्ताओं ने कहा कि इसी आख्या के आधार पर उप जिलाधिकारी सदर ने 16 सितंबर

2026 को आदेश संख्या 163 एवं 164 पारित किए। मंदिर पक्ष ने इन आदेशों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, स्थलीय स्थिति और संबंधित पक्षों के साक्ष्यों की समुचित जांच कराने की मांग की। वक्ताओं ने यह भी आरोप

लगाया कि सुनवाई के लिए हिंदू पक्ष को बार-बार तारीखें दी जा रही हैं। मंदिर परिसर में स्थित समाधि को कब्र बताए जाने को लेकर भी विवाद का उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अभिलेखीय और स्थलीय जांच कर तथ्यों के आधार पर स्थिति

स्पष्ट की जानी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि आराजी संख्या और विवादित मकान संख्या से संबंधित प्रकरणों की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। उनके अनुसार, विवादित मकान को लेकर एक अन्य मुकदमा भी लंबित है। ऐसे में संबंधित मामलों के अभिलेखों का परीक्षण कर नियमानुसार निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री शीतला माता एवं सती माता मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक परंपरा से जुड़ा स्थल है। इसलिए भूमि विवाद का समाधान कानून के दायरे में निष्पक्षता और शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। मंदिर पक्ष और क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जिला प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित कराने की

अपील की। प्रमुख मांगों में लेखपाल की आख्या की समीक्षा, एसडीएम सदर के आदेश संख्या 163 एवं 164 का विधिसम्मत परीक्षण, सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर देने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग शामिल रही। प्रेस विज्ञापित में इमतिाज अहमद के संबंध में भी जांच की मांग की गई। प्रार्थी पक्ष ने आरोप लगाया कि उनके माध्यम से क्षेत्र में विवाद बढ़ाने, सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने और अधिकारियों पर अशुचित दबाव बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मंदिर पक्ष ने प्रशासन से आग्रह किया कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच कर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए।

वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकरण का समाधान संवैधानिक प्रक्रिया और कानूनी तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। किसी भी प्रकार के तनाव या टकराव से बचते हुए प्रशासन को वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति, आपसी सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनी रहे। पत्रकार वार्ता में प्रमोद केशरी, अनिल यादव, संदीप गुप्ता, सतीश वर्मा, राहुल जायसवाल, हेमंत कुमार बंदी, राहुल गुप्ता, गोकुल गुप्ता, विकास यादव, केशव जायसवाल, अरविंद जायसवाल, राजन गुप्ता, राजा, सुभाष पासी, नीरज केशरी, शुभम गुप्ता, पनारू पासी, गुड्डू शर्मा, अश्विनी गुप्ता, केदार गुप्ता, अजीत विश्वकर्मा, आशीष गुप्ता और आशू सहित अन्य पदाधिकारी, पार्षद एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक के घर चोरी करने वाले दो शक्तिर गिरफ्तार, 15 से अधिक मुकदमों का रहा है आपराधिक इतिहास



वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना (बुलंदशहर)। पूर्व विधायक के घर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को स्याना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास लंबा है और उनके खिलाफ 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की

गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का सामान और नकदी भी बरामद की है। पूर्व विधायक के घर चोरी की घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार

आरोपियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक मुकदमों की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस उनके आपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है। वहीं, बरामद चोरी के सामान और नकदी का विस्तृत ब्योरा अभी सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है। पूछताछ और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा महिला मोर्चा में नई नियुक्तियां, अनीशा शाही ने दी बधाई और शुभकामनाएं

प्रज्ञा पाण्डेय और किरण मिश्रा को वाराणसी में मिली जिम्मेदारी, महिला सशक्तिकरण और संगठन विस्तार पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा में काशी क्षेत्र के विभिन्न जिलों में एप पदाधिकारियों की नियुक्ति किए जाने पर वरिष्ठ नेत्री अनीशा शाही ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी संभालने वाली महिला पदाधिकारी अपने अनुभव, समर्पण और कुशल नेतृत्व से संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगी तथा महिला सशक्तिकरण के कार्यों को नई गति देंगी।

वाराणसी में महिला मोर्चा के संगठनात्मक दायित्वों के तहत प्रज्ञा पाण्डेय को भाजपा महिला मोर्चा वाराणसी महानगर की जिलाध्यक्ष तथा किरण मिश्रा को भाजपा महिला मोर्चा वाराणसी जिला की जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनीशा शाही ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को



विशेष रूप से बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे महिलाओं को संगठन से जोड़ने, उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। अनीशा शाही ने प्रदेश नेतृत्व के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन में महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलना महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित

करने की दिशा में सराहनीय कदम है। इससे महिलाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी बढ़ेगी और संगठन की गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने काशी क्षेत्र के अन्य जिलों में नवनियुक्त महिला मोर्चा जिलाध्यक्षों को भी शुभकामनाएं दीं। इनमें माया सिंह (गाजीपुर), कुसुम गुप्ता (प्रतापगढ़), प्रीति गुप्ता (जौनपुर), अनुपमा राय

(मछलीशहर), रीता सिंह (प्रयागराज महानगर), आरती सिंह (प्रयागराज यमुनापार), रूपम त्रिपाठी (प्रयागराज गंगापार), प्रियंका तिवारी (चंदौली), नीतू कर्नौजिया (कौशांबी) और आशा विश्वकर्मा (सोनभद्र) शामिल हैं। अनीशा शाही ने कहा कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों के सामने संगठन को मजबूत बनाने, महिलाओं को जागरूक बनाने और समाज के विभिन्न वर्गों तक पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। अंत में उन्होंने सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा और संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

नवरात्रि के रंग में रंगा डिस्को डाडिया 2026, गरबा-डाडिया की धुन पर झूमे लोग

नक्षत्र प्रोडक्शन एंड इवेंट्स के आयोजन में उमड़ा जनसैलाब, राणा ज्वेलर्स के सहयोग से सजा उत्सव का रंगारंग मंच



वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित डिस्को डाडिया 2026 में उत्साह, उमंग और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। नक्षत्र प्रोडक्शन एंड इवेंट्स की ओर से आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पारंपरिक गरबा और



डाडिया की धुनों पर प्रतिभागियों ने जमकर नृत्य किया और नवरात्रि के उत्सव को यादगार बनाया। कार्यक्रम में आकर्षक सजावट, संगीत और डाडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। युवाओं से लेकर परिवारों तक में कार्यक्रम को लेकर

खास उत्साह देखने को मिला। संगीत की धुनों पर थिरकते लोगों ने नवरात्रि की खुशियों को एक साथ मिलकर साझा किया। नक्षत्र प्रोडक्शन एंड इवेंट्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को राणा ज्वेलर्स ने पावर्ड बाय के रूप में सहयोग प्रदान किया। वहीं, ज्योति ज्वेलर्स, प्रियंका ज्वेलर्स, ए2 स्टूडियो और मायशा सैलून ने सहयोगी के रूप

संपूर्णानंद स्टेडियम में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

वाराणसी सहित पांच जिलों की महिला एवं पुरुष टीमों ने लिया हिस्सा, 14 अक्टूबर को होंगे सेमीफाइनल मुकाबले



वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सिसगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो दिवसीय महिला एवं पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अशोक राय और विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. के. ओझा ने किया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-20 आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसमें वाराणसी, प्रयागराज, गाजीपुर, मिर्जापुर और आजमगढ़ की लगभग 40 टीमों के 400 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना और वॉलीबॉल को बढ़ावा देना है।



अंडर-14 वर्ग में डीएलडब्ल्यू और सिसगरा स्टेडियम सहित विभिन्न टीमों ने मुकाबलों में हिस्सा लिया। वहीं, अंडर-17 वर्ग में सिसगरा स्टेडियम (ए), सनबीम डालिम्स, आजाद स्पोर्टिंग क्लब और सिसगरा स्टेडियम (बी) की टीमों ने अगले चरण में जगह बनाई। आयोजकों के अनुसार, अंडर-17 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले 14 अक्टूबर 2026 को शाम तीन बजे से खेले जाएंगे। वहीं, अंडर-20 वर्ग के

मुकाबले शाम सात बजे से आयोजित होंगे। आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह बना हुआ है। प्रतियोगिता के संरक्षक क्रीडा अधिकारी नवीन कुमार सिंह हैं, जबकि आयोजन की जिम्मेदारी सिसगरा स्टेडियम की वॉलीबॉल प्रशिक्षक पूजा यादव संभाल रही हैं। कार्यक्रम में पूर्व क्रीडा अधिकारी दिव्या वर्मा, भारतेन्दु पाण्डेय, सर्वेश मिश्रा, डॉली श्रीवास्तव, संतोष शुक्ल, आनंद और

अंकुर उपस्थित रहे। जिला वॉलीबॉल संघ वाराणसी के सचिव सर्वेश कुमार पाण्डेय ने भी प्रतियोगिता में उपस्थित रहकर इसके संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को सफल बनाने में खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों और आयोजन समिति के सदस्यों का सहयोग रहा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मलका पार्क में योग एवं ध्यान सत्र किया गया आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प से जनपद में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। अभियान के 27वें दिन 13 अक्टूबर को 'सेवा-मेरा योगदान कार्यक्रम' के अंतर्गत मलका पार्क में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अरवख प्रकाश के निर्देशन में योगाचार्य कृष्ण कुमार ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराया। शिविर में 17 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में योग सहायक अशोक कुमार शर्मा का विशेष योगदान रहा। वहीं, योग प्रशिक्षक भूपेंद्र ने



राजकीय संप्रेषण गृह, बुलंदशहर में योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किया, जिसमें 40 लाभार्थियों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। इसके अलावा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के अधीन संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों रौंदा, अरनिया, सूरजावली, अटेरना, फिरोजपुर, सरायघासी और योग वेलेनेस सेंटर इमिलिया में भी योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। इन

कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नियमित योग, ध्यान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया। गौरतलब है कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है।

वैश्य समाज कल्याण समिति ने महाराजा अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महाराजा अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन 5150 जयंती गोविंदपुरी स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में वैश्य समाज कल्याण समिति द्वारा धूमधाम से मनाई गई। समिति द्वारा प्रातः हवन हुआ उसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल कृष्ण अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि अतिथि के रूप में सलोनी अग्रवाल उप सेना नायक 44वीं बटालियन पोसीसी मेरठ विनय कुराली पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व



पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंघल समाजसेवी सतीश गुप्ता अध्यक्ष खाटू श्याम रसोई ट्रस्ट आज यहाँ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने जोर दिया अपने जितने अग्रवाल बिंदु हैं वो जितना सरकार में रेवेन्यू देते हैं किसी भी रूप

कुछ रुपए मिलने का प्रावधान है। विशिष्ट अतिथि ने जोर दिया कि वैश्य समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में राजनीति में आगे आए समाज में इनकी बहुत अच्छी भागदारी है। छाया पब्लिक स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किया समिति द्वारा बच्चों को शीलड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। अतिथि वी के अग्रवाल, विनय कुराली ने हमें अपने समाज के बच्चों की लड़कियों व लड़के की शादी 25 वर्ष की आयु में कर देनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूपेंद्र अग्रवाल द्वारा की गई। तथा कार्यक्रम

के अध्यक्ष मुन्ना अग्रवाल व अजय गुप्ता मंच का संचालन किया। भूपेंद्र अग्रवाल, रामकिशोर अग्रवाल, प्रेमचंद प्रेमचंद अग्रवाल पूर्व सभासद डॉक्टर पवन का डॉक्टर बृजभूषण बंसल स्थानीय विधायक डॉक्टर मंजु सिवाच ने कहा कि वैश्य समाज से मैं बहुत कुछ सिखाती हूं कैसे समाज का हर जगह बहुत बड़ा योगदान रहता है। संस्था ने समाज के लगभग 50 से अधिक बुजुर्गों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि व विशेष अतिथियों ने महाराजा अग्रसेन का माला अर्पण किया।



नेता रवि भारत चिकारा ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता बदन सिंह ने की एवं संचालन डॉ. देवेन्द्र गौतम ने किया। इस अवसर पर ओमकार, ओमकार भथोड़ा, उमर पाल प्रधान, अनिल, सुखपाल, राजवंर, कमल सिंह, रणवीर, राजकुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मरीजों की समस्याओं को देखते हुए एनएचएम के कर्मचारियों को जारी किया वार्निंग लेटर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। अस्पताल में आने वाले मरीजों की समस्याओं के महेनजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधीक्षक मोदीनगर, एवं उपाध्यक्ष प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ डॉ दिनेश कुमार (निश्चैतक) द्वारा आज हड़ताल कर रहे हैं, एनएचएम के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद के आदेशों के क्रम में, निर्देशित करते हुए एक वार्निंग लेटर जारी किया गया। जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों से कल से तत्काल अपने कार्य पर वापस लौटकर कार्य करने

के लिए आवेष्टित किया गया यदि कोई अधिकारी /कर्मचारी कल अपने कार्य पर वापस नहीं आया तो नो वर्क नो पे के सिद्धांत को मानते हुए सभी हड़ताली कर्मचारी तथा अधिकारियों का वेतन काट दिया जाएगा और करवाई की जाएगी ,अस्पताल परिसर में किसी भी तरह का धरना प्रदर्शन या जुलूस निकालने पर रोक लगा दी गई है, हड़ताल पर रहने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सूचना डेली लखनऊ मुख्यालय को भेजी जा रही है और यदि जल्द ही हड़ताली कर्मचारी तथा अधिकारी कार्य पर वापस नहीं आए तो प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय में ‘मिशन शक्ति’ कार्यक्रम का आयोजन

महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर के ए ब्लॉक ऑडिटोरियम में मंगलवार को ‘मिशन शक्ति’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में अतिथि श्रीमती कोमल पंवार, उपा. जिलाधिकारी (एसडीएम), सिद्धार्थ गौतम, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी),



मोदीनगर, श्रीमती सुचिता सिंह, ब्लॉक प्रमुख, यू. एन. मिश्रा, रंजिस्ट्रार, डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन, प्रो. (डॉ.) पी. एन. ऋषिकेश, कुलपति, प्रो.

(डॉ.) मृदुल गुप्ता, प्रति-कुलपति, डॉ. एकता भारद्वाज, प्राचार्या, डॉ. पूजा शर्मा, प्राचार्या सहित गणमान्य एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारी

उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, जागरूकता तथा समाज में महिलाओं के सम्मान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए गए। उपस्थित छात्र-छात्राओं को सजग, सशक्त और आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षित, सम्मानजनक परिसर के निर्माण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

रामलीला परिसर में मामूली बारिश से जलभराव, नगर निगम की खुली पोल फोन करने पर भी नहीं पहुंची मदद, कमेटी ने खुद निकाला पानी; श्रद्धालु और दुकानदार परेशान



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजय नगर स्थित श्री सनातन धर्म रामलीला ट्रस्ट की रामलीला के दौरान मामूली बारिश ने नगर निगम की जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। परिसर में पानी भरने से रामलीला देखने पहुंचे श्रद्धालुओं और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कमेटी का आरोप है कि नगर निगम अधिकारियों को फोन करने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली। जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को पानी के बीच से गुजरना पड़ा, जबकि खिलौनों और खाने-पीने की दुकानें लगाने वाले



दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हुआ। आरोप है कि अधिकारियों ने मशीनें व्यस्त होने का हवाला देकर सहायता देने में असमर्थता जताई। इसके बाद फोन भी नहीं उठाए गए। नगर निगम से मदद नहीं मिलने पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष

और सदस्यों ने स्वयं पानी निकालने की व्यवस्था की। कमेटी ने मांग की कि परिसर में जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए, ताकि धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं और दुकानदारों को परेशानी न उठानी पड़े।

आईफा में लंदन के रॉयल ड्राइंग स्कूल के शिक्षकों का गर्मजोशी से स्वागत



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आईफा मोदीनगर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलती जा रही है। आईफा संस्थान कला क्षेत्र में उन अंतरराष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय/ संस्थानों से अनुबंध प्राप्त कर चुका है जो कला के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुए हैं। ' अंतरराष्ट्रीय सहयोगिक शिक्षा आदान-प्रदान कार्यक्रम' के अंतर्गत आईफा में लंदन के रॉयल ड्राइंग स्कूल के 5 से 7 कला शिक्षक अध्यापन हेतु प्रत्येक वर्ष अक्टूबर से दिसंबर तक(तीन माह) अध्यापन हेतु आते हैं। इस वर्ष भी सहयोगिक शिक्षा

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत रॉयल ड्राइंग स्कूल से आए रेचल नील, हैना बकमेन, टेशोम डगलस -कैपवेल, अरुण डॉटड , नैसी हैसलम कला शिक्षकों का आईफा में छात्रों द्वारा तिलक लगाकर और माला पहनकर बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया। इन विदेशी शिक्षकों ने छात्रों की प्रदर्शित कलाकृतियों का अवलोकन किया और छात्रों की क्रिएटिविटी की तारीफ की। रॉयल ड्राइंग स्कूल के शिक्षक अगले तीन माह आईफा के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला-शैलियां, कला तकनीकी , सेमिनार. कला प्रदर्शनी, के माध्यम से नई कला तकनीकी से रूबरू कराएंगे जो छात्रों के लिए सौभाग्य की बात है।

गज्जी भाटी हत्याकांड में पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा बरी, 10 साल बाद आया फैसला

भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं, बरी होने के बाद बोले अमरपाल शर्मा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद के पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा को गज्जी भाटी हत्याकांड और गुंडा एक्ट के मामले में गाजियाबाद की एमपी/एमएलए अदालत ने 12 अक्टूबर को बरी कर दिया। वर्ष 2017 में छोड़ा कालोनी



निवासी गज्जी भाटी की हत्या के मामले में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। करीब 10 माह जेल में रहने के बाद उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। अमरपाल शर्मा ने फैसले को सत्य और न्याय की जीत बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश के तहत मुकदमे दर्ज कराए गए। उन्होंने

कहा कि इस मामले के बाद उन पर गैंगस्टर, रासुका समेत 14-15 अन्य मुकदमे भी दर्ज हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि उनके 10 साल के संघर्ष और नुकसान की भरपाई कौन करेगा। पूर्व विधायक ने कहा कि वह पीड़ित परिवार के दुख को समझते हैं। उन्होंने कठिन समय में साथ देने वाले समर्थकों और न्यायालय के प्रति आभार जताया।

मुजफ्फरनगर व शामली में दिनेश कुमार गोयल एम.एल.सी. प्रत्याशी ने किया जनसम्पर्क



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विधान परिषद के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल ने भाजपा कार्यालय शामली पर आयोजित कामकाजी बैठक में शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप जी, जिला प्रभारी राजा वर्मा जी के नेतृत्व में बागपत बीजेपी कार्यालय पर आयोजित कामकाजी बैठक में शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों और चुनाव अभियान से जुटी टीम के साथ आगामी चुनाव की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही ग्राम बाबरी, शामली में स्वर्गीय श्रीमति सत्यवती शर्मा जी की पुण्य स्मृति में आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का फीता

काटकर उदघाटन किया। इस जनसेवा के पुनीत कार्य के लिए आयोजक परिवार एवं समस्त सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही जनपद मुजफ्फरनगर में कुकडा मंडल में जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी जी के नेतृत्व में कुकडा मंडल अध्यक्ष अमित शास्त्री द्वारा आयोजित एम0एल0सी0 स्नातक जनसंपर्क अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर जिला संयोजक श्रीमोहन तायल, सदर विधानसभा संयोजक पंकज मोहेश्वरी, जिला मंत्री ममता अग्रवाल, युवा मोर्चा जिला महामंत्री रजत त्यागी सहित आयोजित किये। साथ ही गांधी कालोनी स्थित गांधी वाटिका में मा0 मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गयी।

पहली प्रदर्शनी में ही फीमऑरा का धमाका, 1500 खरीदारों ने की जमकर खरीदारी



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। करवा चौथ और दीपावली के त्योहारों के साथ शादी-विवाह के मौसम की खरीदारी को खास सरकार के उप महानिदेशक जितेन्द्र गर्ग और संस्कार प्रमाण कर उद्यमियों से बातचीत की और उनके उत्पादों की सराहना की। प्रदर्शनी में पारंपरिक परिधानों से लेकर आधुनिक फैशन, आभूषण, साडियों, हस्तकरथा उत्पादों, जूतों, सजावटी वस्तुओं और उपहारों



तक की विविधता देखने को मिली। प्रदर्शनी में सुबह से शाम तक खरीदारों की आवाजाही बनी रही। करवा चौथ और दीपावली के लिए महिलाओं ने एथनिक परिधान, साडियों, आभूषण और आकर्षक सहायक वस्तुओं की खरीदारी की। वहीं, घर सजाने के सामान, उपहारों और खाद्य उत्पादों में भी लोगों ने रुचि दिखाई। आयोजकों की ओर से 1500 रुपये या उससे अधिक की खरीदारी पर उपहार दिए गए। इसके अलावा 5000 रुपये की खरीदारी करने वालों को लकी ड्रां कूपन प्रदान किए गए। हर घंटे आयोजित लकी ड्रां में तकतीनों को पुरस्कृत किया गया, जिससे प्रदर्शनी का

आकर्षण और बढ़ गया। प्रदर्शनी में मोहक कलेक्शन, कृपाशा, ग्रीन उपहार, द ब्लूम एडिट, साश स्टूडियोज, नीरू क्रिएशंस, मायान ज्वेलर्स, ख्वाब, राया डेकोर, राजलक्ष्मी ज्वेलर्स, आनंद हैंडलूम, स्वातिका साड़ीज, आयत क्रिएशंस, कंटीन एंड क्राफ्ट, हाउस ऑफ जिया सहित कुल 42 ब्रांड्स ने भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े इन ब्रांड्स ने खरीदारों को एक ही छत के नीचे खरीदारी के कई विकल्प उपलब्ध कराए। कार्यक्रम में देवेन्द्र हितकारी, अखिलेन्द्र गर्ग, राजीव गोयल, पुनीत गुप्ता, कपिल, सौरभ अग्रवाल, वृंदा, रुचि अग्रवाल और नीतू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देवेन्द्र चौधरी डायमंड को भाजपा किसान मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रदेश के 15 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की है। जिसमें गाजियाबाद जिले से देवेन्द्र चौधरी डायमंड को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। देवेन्द्र चौधरी डायमंड को भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि उनकी नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी डायमंड को बुरे

देकर अपनी शुभकामनाएं दी है। देवेन्द्र चौधरी डायमंड ने अपनी नियुक्ति पर भाजपा वरिष्ठ नेताओं आभार व्यक्त किया है और कहा है कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्हें वह कार्यकर्ताओं के साथ पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे और संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे। शुभकामनाएं देने वालों में विधायक डॉ मंजु शिवाच पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली अशोक महेश्वारी अमित चौधरी अनिला आर्य पिंकी चौधरी मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी पूर्व मंडल अध्यक्ष वक्शन त्यागी मंडल महामंत्री अमिदेश जैन जयप्रकाश शर्मा सत्य प्रकाश पंडित विजयप्रकाश मुकेश चौहान आदि कार्यकर्ता थे।

नरेंद्र कश्यप ने दिव्यांगजनों को बांटीं मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, विद्यार्थियों को दिए प्रमाणपत्र

दिव्यांगजनों को 162 उपकरण, 25 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के स्वीकृति पत्र



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को गाजियाबाद में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और विद्यार्थियों को शैक्षिक लाभ वितरित किए। कार्यक्रम में 52 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 50 ट्राइसाइकिल, 50 व्हीलचेयर, 10 कान की मशीनें और पांच स्मार्ट केन बांटी गईं। इनमें 37 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल श्रीराम पिस्टन्स के

सीएसआर सहयोग से मिलीं, जिसके लिए कंपनी ने 25 लाख रुपये दिए। शेष 15 ट्राइसाइकिल राज्य सरकार ने उपलब्ध कराई। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 विद्यार्थियों को स्वीकृति पत्र और तीन विद्यार्थियों को ओ-लेवल प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और मोटराइज्ड ट्राइसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि सरकार

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पात्र लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और विद्यार्थियों से शिक्षा व तकनीकी प्रशिक्षण के जरिए आत्मनिर्भर बनने की अपील की।

राजनगर में धूमधाम से निकली श्रीराम की बारात, जनकपुरी में हुआ भव्य स्वागत

राजनगर में धूमधाम से निकली श्रीराम की बारात, जनकपुरी में हुआ भव्य स्वागत

जनकपुरी में हुआ बारात का स्वागत, जयमाला के बाद भावुक माहौल में हुई माता सीता की विदाई



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर में श्री रामलीला समिति की ओर से भगवान श्रीराम की भव्य बारात निकाली गई। रामलीला मैदान से शुरू हुई बारात विभिन्न सेक्टरों से होते हुए सेक्टर-10 स्थित जनकपुरी पहुंची। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर

स्वागत किया और प्रसाद वितरित किया। बारात में पांच बैड, ढोल, शहनाई और आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। राम दरबार, हनुमान जी, जय जवान-जय किसान और जल प्रदूषण जैसी झांकियों ने लोगों का ध्यान खींचा। सेक्टर-5, 1, 2, 4, 6 और 8 में स्थानीय निवासियों ने बारात का स्वागत किया। जनकपुरी में राजा जनक बने मुकेश

मित्तल और रानी सुमेना बनीं प्रीति मित्तल ने द्वाराचार की रस्म निभाई। भव्य जयमाला के बाद मंगल गीतों के बीच माता सीता की विदाई हुई। इसके बाद बारात रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान समिति अध्यक्ष जयकुमार गुप्ता, संरक्षक जितेंद्र यादव, दीपक मित्तल, राकेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इंदिरापुरम में बहुमजिला इमारत की पार्किंग में भीषण आग, दो कारें जलकर राख



दमकल विभाग की तत्परता से फ्लैटों और अन्य वाहनों को बचाया, कोई जनहानि नहीं

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम के ज्ञानखंड प्रथम स्थित प्लॉट नंबर-154 के बहुमजिला आवासीय भवन की स्टिल्ट पार्किंग में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आकर मारुति बलेनो और मारुति फ्रॉन्क्स पूरी तरह जल गई, जबकि वाक्सवैन कार को आंशिक नुकसान पहुंचा। दमकल विभाग की तत्परता से अन्य वाहनों और फ्लैटों को सुरक्षित बचा लिया गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर स्टेशन वैशाली को आग लगने की सूचना मिलते ही तीन मोटर फायर इंजन और एक वाटर बाउज़र मौके पर भेजे गए।



दमकलकर्मियों को घटनास्थल तक पहुंचने में सेक्टर में जागरण कार्यक्रम के लिए की गई सजावट के कारण रास्ते में परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद टीम ने तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया और समय रहते आग पर काबू पाने की कार्रवाई की। दमकलकर्मियों की मुस्लैदी से आग अन्य वाहनों और इमारत के ऊपर बने फ्लैटों तक नहीं फैल सकी। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

साहिबाबाद हादसे में देवदूत बने फायरफर्मी, पुलिस और नागरिक सम्मानित

लिटर गिरने के हादसे में बचाव करने वालों को मिला सम्मान



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना साहिबाबाद क्षेत्र में निमाणांधीन मकान का लिटर गिरने से मलबे में दबे लोगों को सकुशल बाहर निकालने और समय पर अस्पताल पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले फायर

सर्विस कर्मियों, पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों को पुलिस आयुक्त ने सम्मानित किया। मंगलवार को पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद ने सभी के साहस, तत्परता और मानवता के प्रति समर्पण को सराहना की। गौरतलब है कि सोमवार, 12

अक्टूबर को साहिबाबाद थाना क्षेत्र में निमाणांधीन मकान का लिटर गिरने से कई लोग मलबे में दब गए थे। हादसे की सूचना मिलते ही फायर सर्विस और थाना पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय नागरिकों ने भी बचाव अभियान में सहयोग करते हुए मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने

में मदद की। घायलों को समय से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि संकट के समय तत्परता, साहस और आपसी सहयोग से अमूल्य जीवन की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने सभी के मानवीय प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे सराहनीय उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना: 52 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, मंत्री और विधायक ने दिया आशीर्वाद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। हापुड़ रोड स्थित धर्मशाला लाला मोनामल में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 52 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इनमें 42 हिंदू जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज से सात फेरे लिए, जबकि 10 मुस्लिम जोड़ों का निकाह



कराया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के 15, अन्य पिछड़ा वर्ग के 20, सामान्य वर्ग के सात और अल्पसंख्यक वर्ग के 10 जोड़े शामिल हुए। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप और शहर विधायक संजीव शर्मा ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी कुमार सोरभ भी मौजूद रहे। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को

21 हजार रुपये की उपहार सामग्री दी जाती है। इसमें कपड़े, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग, वैनिटी किट और दीवार घड़ी सहित अन्य सामान शामिल हैं। इसके अलावा योजना के प्रावधानों के अनुसार कन्या के बैंक खाते में 64 हजार रुपये की धनराशि भेजी जाती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान रहा।

15 मिनट में भरेंगे सड़क के गड्ढे, फिर भी क्यों नहीं जाग रहे अधिकारी!

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सड़कों के गड्ढे भरने के लिए अब 24 घंटे का इंतजार भी क्यों हो, जब महज 15 मिनट में मरम्मत संभव होने का दावा किया जा रहा है। कंक्रेटेशन ऑफ आरडब्ल्यूए उत्तर प्रदेश (केरवा-यूपी) ने सड़क मरम्मत में तेजी लाने के लिए इकोफिक्स तकनीक अपनाने की मांग उठाई है। संगठन ने इस संबंध में लोक निर्माण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वृजेश सिंह को पत्र भेजकर प्रदेश के सभी जिलों में इस तकनीक के इस्तेमाल के निर्देश जारी करने की मांग की है। कोरवा के मुख्य संरक्षक कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी के मुताबिक, पांच अक्टूबर को गांधीनगर में सूखे गड्ढे

और मॉडल टाउन ईस्ट में पानी भरे गड्ढे में इकोफिक्स तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। संगठन का दावा है कि दोनों स्थानों पर करीब 15 मिनट में मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया। इसके जरिए कम समय में सड़क को यातायात के लिए तैयार किया जा सकता है। संगठन के अनुसार, इकोफिक्स स्टील स्लैंग और पॉलिमर बाइंडर से तैयार होता है। इसके इस्तेमाल में तारकोल और गिट्टी को गर्म करने या गड्ढे से पानी निकालने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे मरम्मत का काम तेजी से पूरा होने के साथ यातायात बाधित होने की समस्या भी कम हो सकती है। पदाधिकारियों के मुताबिक, 30 किलोग्राम के एक बैग की कीमत करीब 500 रुपये है।

साहिबाबाद में नशीले कफ सिरप का बड़ा कारोबार बेनकाब, 85.80 लाख का माल बरामद

गोदाम से 49,600 बोतलें जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार; कंपनी मालिक की तलाश में जुटी पुलिस



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, औषधि विभाग और साहिबाबाद पुलिस

की संयुक्त कार्रवाई में गोदाम से विस्क्रेसेस कोडीन युक्त सिरप की 310 पेटियां बरामद की गईं। इनमें कुल 49,600 बोतलें थीं, जिनकी अनुमानित कीमत 85.80 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने 12/13 अक्टूबर की रात मुखबिर की सूचना पर यूपी बॉर्डर चौकी क्षेत्र में कसाना क्रेन कंपाउंड के पास शनि मंदिर वाली गली

से वीरेन्द्र, शिव शंकर कुमार और राजेश कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब सिरप की आपूर्ति से जुड़े जेवरन हेल्थ केयर कंपनी, दिल्ली के मालिक पुरोहित गुप्ता उर्फ भोला की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

निककी भाटी हत्याकांड: मुख्य आरोपी पति विपिन भाटी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। सिरसा गांव के चर्चित निककी भाटी हत्याकांड में नया मोड़ आया है। मामले के मुख्य आरोपी और निककी के पति विपिन भाटी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। इससे पहले मामले में परिवार के अन्य आरोपियों को भी जमानत मिल चुकी है। निककी भाटी की दर्दनाक मौत ने ग्रेटर नोएडा सहित पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। घटना के बाद मामले ने व्यापक चर्चा बटोरी थी। अब मुख्य आरोपी को जमानत मिलने के बाद प्रकरण एक बार फिर सुखियों में है। हालांकि, जमानत मिलने



का अर्थ आरोपों से बरी होना नहीं है। मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया पर लोगों की नज़रें टिकी हैं। निककी को न्याय दिलाने की मांग के बीच अब अदालत में होने वाली आगामी सुनवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मामले में अंतिम फैसला न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

गाजियाबाद में 170 ग्राम प्रहरी सम्मानित, पुलिस आयुक्त ने बढ़ाया उत्साह



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के 68 हजार ग्राम

प्रहरियों को पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पुलिस लाइन्स गाजियाबाद के परेड ग्राउंड में किया

गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त गाजियाबाद ने कमिश्नरेट के 170 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। सभी को टॉर्च, लाठी, टिफिन, सीटी डोरी और बैग प्रदान किए

गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सुरक्षित समाज, सशक्त गांव और अपराधमुक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में ग्राम प्रहरियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी सतर्कता और सक्रियता से

ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण में पुलिस को मदद मिलती है। ग्राम प्रहरी गांवों में सुरक्षा और शांति का वातावरण बनाने में अहम योगदान

दे रहे हैं। समारोह में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था, पुलिस उपआयुक्त लाइन्स समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।